

# 汉英德法 成语词典

A Book of  
Chinese-English-  
German-French  
Idioms

商务印书馆

席士敏  
编

# 汉英德法成语词典

## A Book of Chinese-English- German-French Idioms

席士敏 编

戴炜栋 曹丽顺 校订

商 务 印 书 馆

1995年·北京

HÀN YǐNG DÉ Fǎ CHÉNGYǔ CÍDIǎN

**汉英德法成语词典**

席士敏 编

戴炜栋 曹丽顺 校订

---

**商务印书馆出版**

(北京王府井大街36号 邮政编码100710)

新华书店总店北京发行所发行

河北省香河县第二印刷厂印刷

ISBN 7-100-00513-2/H·186

---

1995年4月第1版

开本 787×1092 1/32

1995年4月北京第1次印刷

字数 610 千

印数 2 000 册

印张 11 5/8

定价: 11.80 元

## 前 言

早在中学时代,我就很爱好成语。后来,阅读了许多外国文学名著,才认识到不仅汉语拥有丰富的成语,英语以及其它语言也都有大量生动传神的成语。这些成语增强了语言的表达能力,丰富了语言的色彩,在文学作品中,更好像是一颗颗灿烂明亮的宝石。从此,我产生了搜集英语成语的兴趣,而且这种兴趣与日俱增。几十年来搜集积累成语为数不少,遂有以汉语成语为基础,运用直译、意译和对等译法,编写一本汉英、汉德、汉法成语辞典的设想。本着这一目的,我于六十年代初,开始了汇编工作。一九七二年,完成了这本书的初稿,送交滨海某市的一家出版社。一年以后被退回。一九七八年,我抱着试试的心情将我的编辑宗旨和整理后的部分稿子分寄三家出版机构。不久之后,陆续收到回音。商务印书馆编辑部更是满腔热情,鼓励我继续努力,速将原稿整理完毕打印成文,同时还对初稿的不足之处提出极其宝贵的修改意见。此后又经反复修订而成为现在这本书。

这本词典共收汉语成语约2,600条。所收入者,大都为目前通用、具有生命力的成语;至于冷僻或少见少用的成语,概予割爱。为了扩大阅读对象,便于读者参考起见,我将收入的汉语成语用英、德、法三种外语对照,这样不仅可供我国学习外语者参考,对国外学习中国语言文字者也会有所裨益。一般说来,外文的翻译方式虽可分直译、意译和对等翻译三种,但要三种译法同时适用于某一特定的语句,往往是不现实的。试举例说,汉语中的“五花八门”、

“信口开河”等成语，不可能也没有必要按字面去直译或者硬译。又如，汉语中的“趁热打铁”与英语中的“strike while the iron is hot”以及法语中的“battre le fer quand il est chaud”在意义上和字面上刚巧对等，因此将两者并列，既为直译，也是对等翻译。所以对于不能或不宜直译的成语，采用意译和对译方法处理之，甚至只取其中的一种译法就可以了。在排列次序上，字面接近原文的在前，字面不同而意义对等的在后。

在汉语成语中，特别是古代成语中，一句成语往往是一则历史故事或者一篇寓言；有的成语，经过演变，已经丧失了原意，或者竟然褒贬倒置。本词典对此类成语所采用的译文，均以现今通用的和约定俗成的意义为准。因属于一般性质的工具书，故不再作探源注释等知识性的介绍。

本书在编写过程中，曾得到我的老师、上海外国语学院钱维藩教授的指导；德、法语部分分别由上海外国语学院顾盛卿和赵云俊副教授以及商务印书馆郝德安和狄玉明两位编辑核校和补充。条目标画索引部分系王立平同志补编，以利检索。在此谨致以由衷的感谢。

编者

1987年9月

# 条目拼音字母索引

## A

唉声叹气 1  
爱财如命 1  
爱莫能助 1  
爱屋及乌 1  
碍手碍脚 1  
安步当车 1  
安不忘危 1  
安分守己 1  
安家落户 1  
安然无恙 2  
安如磐石 2  
安如泰山 2  
安土重迁 2  
按兵不动 2  
按部就班 2  
暗渡陈仓 2  
暗箭伤人 2  
暗送秋波 2  
暗无天日 2  
暗中摸索 3  
黯然消魂 3  
昂然自得 3  
傲慢不逊 3

## B

八面玲珑 3  
八仙过海,各显神通 3  
扒得高,跌得重 3  
拔苗助长 3  
跋山涉水 3  
白璧无瑕 4  
白费唇舌 4  
白驹过隙 4  
白面书生 4  
白日不做亏心

事,夜半敲门

心不惊 4  
白日作梦 4  
白手起家 4  
白头偕老 4  
白纸黑字 4  
百步穿杨 5  
百尺竿头,更进一步 5  
百川归海 5  
百端待举 5  
百发百中 5  
百感交集 5  
百货中百客 5  
百孔千疮 5  
百炼成钢 5  
百思不解 5  
百闻不如一见 6  
百无禁忌 6  
百无聊赖 6  
百依百顺 6  
百战百胜 6  
百折不挠 6  
班门弄斧 6  
搬弄是非 6  
半斤八两 6  
半路出家 6  
半生不熟 7  
半途而废 7  
半途换马 7  
半推半就 7  
半吞半吐 7  
半心半意 7  
半信半疑 7  
包藏祸心 7  
包罗万象 7  
饱汉不知饿汉饥 7  
饱经风霜 8  
饱食终日,无所用心 8  
抱以老拳 8

报仇雪恨 8  
抱负不凡 8  
抱头鼠窜 8  
抱薪救火 8  
豹死留皮 8  
暴虎冯河 8  
暴戾恣睢 8  
暴露无遗 8  
暴殄天物 9  
暴跳如雷 9  
杯弓蛇影 9  
杯水车薪 9  
卑躬屈膝 9  
悲愤填膺 9  
悲观失望 9  
悲天悯人 9  
悲喜交集 9  
备而不用 9  
背城借一 10  
背道而驰 10  
背井离乡 10  
背水一战 10  
背信弃义 10  
悖入悖出 10  
奔走相告 10  
本末倒置 10  
笨鸟先飞 10  
笨手笨脚 10  
笨头笨脑 11  
逼上梁山 11  
鼻青脸肿 11  
比比皆是 11  
比肩继踵 11  
比上不足,比下有余 11  
彼一时,此一时 11  
笔墨官司 11  
必恭必敬 11  
必然无疑 11  
闭关自守 11  
闭口不谈 12

闭门不出 12  
闭门羹 12  
闭门思过 12  
闭门谢客 12  
闭门造车 12  
闭目塞听 12  
闭月羞花 12  
敝帚自珍 12  
筚路蓝缕 12  
避而不谈 12  
避坑落井 13  
避人耳目 13  
脾肉复生 13  
鞭长莫及 13  
变本加厉 13  
变化无常 13  
变幻莫测 13  
便宜行事 13  
遍体鳞伤 13  
标新立异 13  
别出心裁 14  
别久情疏 14  
别开生面 14  
别树一帜 14  
别有天地 14  
别有用心 14  
宾至如归 14  
彬彬有礼 14  
冰冻三尺,非一日之寒 14  
冰清玉洁 14  
冰天雪地 14  
冰消瓦解 15  
兵不血刃 15  
兵不厌诈 15  
兵临城下 15  
并驾齐驱 15  
并行不悖 15  
病从口入,祸从口出 15  
病入膏肓 15

|         |    |           |    |        |    |           |    |
|---------|----|-----------|----|--------|----|-----------|----|
| 伯仲之间    | 15 | 不进则退      | 20 | 不畏艰险   | 25 | 采薪之忧      | 30 |
| 博古通今    | 15 | 不经一事，不长一智 | 20 | 不闻不问   | 25 | 参与其事      | 30 |
| 博学多才    | 16 |           | 20 | 不务正业   | 25 | 残羹冷炙      | 30 |
| 勃然大怒    | 16 | 不经之谈      | 20 | 不惜工本   | 25 | 残酷无情      | 30 |
| 捕风捉影    | 16 | 不胫而走      | 20 | 不惜牺牲   | 25 | 蚕食鲸吞      | 30 |
| 不辨是非    | 16 | 不拘礼节      | 21 | 不相上下   | 25 | 惨淡经营      | 30 |
| 不辨菽麦    | 16 | 不堪设想      | 21 | 不祥之兆   | 25 | 沧海桑田      | 30 |
| 不测之灾    | 16 | 不堪一击      | 21 | 不屑一顾   | 26 | 沧海一粟      | 30 |
| 不差累黍    | 16 | 不亢不卑      | 21 | 不省人事   | 26 | 藏垢纳污      | 30 |
| 不成体统    | 16 | 不可告人      | 21 | 不幸中之大幸 | 26 | 藏头露尾      | 31 |
| 不耻下问    | 16 | 不可救药      | 21 | 不修边幅   | 26 | 操必胜之券     | 31 |
| 不出所料    | 17 | 不可理喻      | 21 | 不学无术   | 26 | 操之过急      | 31 |
| 不揣冒昧    | 17 | 不可胜数      | 21 | 不言而喻   | 26 | 草草过目      | 31 |
| 不辞而别    | 17 | 不可收拾      | 21 | 不厌其烦   | 26 | 草草了事      | 31 |
| 不辞辛劳    | 17 | 不可思议      | 21 | 不厌其详   | 26 | 草菅人命      | 31 |
| 不打不相识   | 17 | 不可同日而语    | 21 | 不一而足   | 26 | 草木皆兵      | 31 |
| 不打自招    | 17 | 不可言状      | 22 | 不遗余力   | 26 | 草率从事      | 31 |
| 不到黄河心不死 | 17 | 不可一世      | 22 | 不以为然   | 27 | 侧耳倾听      | 31 |
| 不得而知    | 17 | 不劳动者不得食   | 22 | 不以为意   | 27 | 侧目而视      | 32 |
| 不得其所    | 17 | 不劳而获      | 22 | 不翼而飞   | 27 | 惻隐之心      | 32 |
| 不得要领    | 17 | 不了了之      | 22 | 不义之财   | 27 | 差强人意      | 32 |
| 不得已而求其次 | 18 | 不露圭角      | 22 | 不由自主   | 27 | 差之毫厘，谬以千里 | 32 |
| 不登大雅之堂  | 18 | 不露声色      | 22 | 不约而同   | 27 | 插科打诨      | 32 |
| 不动声色    | 18 | 不伦不类      | 22 | 不在话下   | 27 | 豺狼成性      | 32 |
| 不懂装懂    | 18 | 不毛之地      | 22 | 不择手段   | 27 | 馋涎欲滴      | 32 |
| 不费吹灰之力  | 18 | 不名一文      | 22 | 不折不扣   | 27 | 长篇大论      | 32 |
| 不分彼此    | 18 | 不念旧恶      | 23 | 不知不觉   | 28 | 长驱直入      | 32 |
| 不分青红皂白  | 18 | 不偏不倚      | 23 | 不知好歹   | 28 | 长生不老      | 32 |
| 不分上下    | 18 | 不平则鸣      | 23 | 不知去向   | 28 | 长袖善舞      | 33 |
| 不分胜负    | 18 | 不期而遇      | 23 | 不知所从   | 28 | 长吁短叹      | 33 |
| 不分昼夜    | 18 | 不期然而然     | 23 | 不知所措   | 28 | 常备不懈      | 33 |
| 不甘后人    | 18 | 不求甚解      | 23 | 不值一文   | 28 | 畅所欲言      | 33 |
| 不敢越雷池一步 | 19 | 不屈不挠      | 23 | 不治之症   | 28 | 畅行无阻      | 33 |
| 不共戴天    | 19 | 不容置疑      | 23 | 不着边际   | 28 | 超群绝伦      | 33 |
| 不顾死活    | 19 | 不入虎穴，焉得虎子 | 23 | 不自量力   | 28 | 车载斗量      | 33 |
| 不关痛痒    | 19 |           | 23 | 不足挂齿   | 29 | 彻底根究      | 33 |
| 不管三七二十一 | 19 | 不三不四      | 24 | 不足介意   | 29 | 彻头彻尾      | 33 |
| 不过尔尔    | 19 | 不声不响      | 24 | 不足为奇   | 29 | 陈陈相因      | 34 |
| 不寒而栗    | 19 | 不胜惊骇      | 24 | 不足为外人道 | 29 | 陈辞滥调      | 34 |
| 不合时宜    | 19 | 不胜枚举      | 24 | 步履维艰   | 29 | 沉默寡言      | 34 |
| 不慌不忙    | 19 | 不失时机      | 24 | 步人后尘   | 29 | 沉思默想      | 34 |
| 不即不离    | 19 | 不识时务      | 24 |        |    | 沉鱼落雁      | 34 |
| 不計其数    | 20 | 不时之需      | 24 |        |    | 趁风扬帆      | 34 |
| 不假思索    | 20 | 不速之客      | 24 |        |    | 趁火打劫      | 34 |
| 不见棺材不落泪 | 20 | 不同凡响      | 24 | 才高八斗   | 29 | 趁热打铁      | 34 |
| 不见经传    | 20 | 不为已甚      | 25 | 才疏学浅   | 29 | 称心如意      | 34 |
| 不骄不躁    | 20 | 不为五斗米折腰   | 25 | 才子佳人   | 30 |           |    |

|         |    |         |    |         |    |         |    |
|---------|----|---------|----|---------|----|---------|----|
| 称王称霸    | 35 | 出风头     | 40 | 聪明一世，糊涂 |    | 大公无私    | 50 |
| 称兄道弟    | 35 | 出乖露丑    | 40 | 一时      | 45 | 大海捞针    | 51 |
| 瞠目结舌    | 35 | 出口成章    | 40 | 从容不迫    | 45 | 大惑不解    | 51 |
| 成家立业    | 35 | 出口伤人    | 40 | 从容自若    | 45 | 大惊小怪    | 51 |
| 成年累月    | 35 | 出口伤人    | 40 | 从长计议    | 45 | 大快人心    | 51 |
| 成千累万    | 35 | 出类拔萃    | 40 | 从头至尾    | 46 | 大名鼎鼎    | 51 |
| 成群结队    | 35 | 出其不意    | 40 | 从中渔利    | 46 | 大模大样    | 51 |
| 成人之美    | 35 | 出奇制胜    | 40 | 粗茶淡饭    | 46 | 大逆不道    | 51 |
| 成则为王，败则 |    | 出人头地    | 41 | 粗心大意    | 46 | 大器晚成    | 51 |
| 为寇      | 35 | 出人意表    | 41 | 粗枝大叶    | 46 | 大权独揽    | 51 |
| 诚心诚意    | 36 | 出生入死    | 41 | 粗制滥造    | 46 | 大权在握    | 52 |
| 城门失火，殃及 |    | 出师不利    | 41 | 促膝谈心    | 46 | 大声疾呼    | 52 |
| 池鱼      | 36 | 出言不逊    | 41 | 摧枯拉朽    | 46 | 大失所望    | 52 |
| 乘风破浪    | 36 | 出诸肺腑    | 41 | 寸步不离    | 46 | 大势已去    | 52 |
| 乘其不备    | 36 | 初出茅庐    | 41 | 寸步不让    | 47 | 大庭广众    | 52 |
| 乘人之危    | 36 | 初露锋芒    | 41 | 寸步难行    | 47 | 大同小异    | 52 |
| 乘虚而入    | 36 | 初生之犊不畏虎 | 41 | 挫其锋芒    | 47 | 大喜过望    | 52 |
| 惩羹吹齑    | 36 | 初学三年天下  |    | 挫其锐气    | 47 | 大显身手    | 52 |
| 惩前毖后    | 36 | 去得，再学三  |    | 厝火积薪    | 47 | 大相径庭    | 52 |
| 惩一儆百    | 36 | 年寸步难行   | 42 | 措手不及    | 47 | 大言不惭    | 53 |
| 吃喝玩乐    | 37 | 除恶务尽    | 42 | 错综复杂    | 47 | 大雨如注    | 53 |
| 吃力不讨好   | 37 | 处心积虑    | 42 |         |    | 大张旗鼓    | 53 |
| 吃一堑，长一智 | 37 | 处之泰然    | 42 |         |    | 大智若愚    | 53 |
| 痴人说梦    | 37 | 楚才晋用    | 42 |         |    | 呆若木鸡    | 53 |
| 痴头痴脑    | 37 | 楚弓楚得    | 42 |         |    | 呆头呆脑    | 53 |
| 痴心妄想    | 37 | 触景生情    | 42 | 答非所问    | 48 | 单刀直入    | 53 |
| 嗤之以鼻    | 37 | 触类旁通    | 43 | 打抱不平    | 48 | 单枪匹马    | 53 |
| 魑魅魍魉    | 37 | 触目皆是    | 43 | 打草惊蛇    | 48 | 殚精竭虑    | 53 |
| 迟疑不决    | 37 | 川流不息    | 43 | 打道回府    | 48 | 箪食壶浆    | 54 |
| 踟蹰不前    | 38 | 穿凿附会    | 43 | 打得火热    | 48 | 箪食瓢饮    | 54 |
| 叱咤风云    | 38 | 船到桥头自然直 | 43 | 打躬作揖    | 48 | 胆大妄为    | 54 |
| 赤膊上阵    | 38 | 窗明几净    | 43 | 打开天窗说亮话 | 48 | 胆大心细    | 54 |
| 赤身露体    | 38 | 吹胡子瞪眼   | 43 | 打落水狗    | 48 | 胆小如鼠    | 54 |
| 充耳不闻    | 38 | 吹毛求疵    | 43 | 打破沙锅问到底 | 49 | 胆战心惊    | 54 |
| 重蹈覆辙    | 38 | 垂帘听政    | 43 | 打退堂鼓    | 49 | 但愿如此    | 54 |
| 重温旧梦    | 38 | 垂死挣扎    | 44 | 打肿脸充胖子  | 49 | 淡而无味    | 54 |
| 重整旗鼓    | 38 | 垂头丧气    | 44 | 大材小用    | 49 | 弹丸之地    | 54 |
| 宠辱不惊    | 39 | 垂涎三尺    | 44 | 大吵大闹    | 49 | 当断不断，反受 |    |
| 愁肠百结    | 39 | 春兰秋菊    | 44 | 大吹大擂    | 49 | 其乱      | 54 |
| 愁眉不展    | 39 | 唇齿相依    | 44 | 大慈大悲    | 49 | 当机立断    | 55 |
| 愁眉苦脸    | 39 | 唇枪舌剑    | 44 | 大错特错    | 49 | 当家作主    | 55 |
| 踌躇不决    | 39 | 唇亡齿寒    | 44 | 大打出手    | 50 | 当局者迷，旁观 |    |
| 踌躇满志    | 39 | 鹑衣百结    | 44 | 大刀阔斧    | 50 | 者清      | 55 |
| 丑态百出    | 39 | 蠢蠢欲动    | 44 | 大而无边    | 50 | 当仁不让    | 55 |
| 臭名昭著    | 39 | 绰绰有余    | 45 | 大发雷霆    | 50 | 当头棒喝    | 55 |
| 臭味相投    | 39 | 此地无银三百两 | 45 | 大放厥词    | 50 | 倒戈相向    | 55 |
| 出尔反尔    | 40 | 此起彼伏    | 45 | 大腹便便    | 50 | 蹈常袭故    | 55 |
|         |    | 刺刺不休    | 45 | 大功告成    | 50 |         |    |

|           |    |       |    |        |    |         |    |
|-----------|----|-------|----|--------|----|---------|----|
| 到啥山捉啥柴    | 55 | 东施效顰  | 60 | 耳鬓厮磨   | 65 | 废寝忘食    | 70 |
| 倒行逆施      | 56 | 东张西望  | 60 | 耳濡目染   | 65 | 费尽心机    | 70 |
| 道高一尺,魔高一丈 | 56 | 动辄得咎  | 61 | 耳闻不如目见 | 65 | 分崩离析    | 70 |
| 道貌岸然      | 56 | 洞房花烛  | 61 |        |    | 分道扬镳    | 70 |
| 道听途说      | 56 | 洞若观火  | 61 |        |    | 分庭抗礼    | 71 |
| 得不偿失      | 56 | 洞天福地  | 61 |        |    | 分文不取    | 71 |
| 得寸进尺      | 56 | 抖擞精神  | 61 |        |    | 分我杯羹    | 71 |
| 得过且过      | 56 | 斗志昂扬  | 61 |        |    | 纷至沓来    | 71 |
| 得陇望蜀      | 56 | 独当一面  | 61 |        |    | 焚膏继晷    | 71 |
| 得天独厚      | 57 | 独断专行  | 61 |        |    | 粉墨登场    | 71 |
| 得心应手      | 57 | 独具只眼  | 61 |        |    | 粉身碎骨    | 71 |
| 得意忘形      | 57 | 独立自主  | 61 |        |    | 奋不顾身    | 71 |
| 得鱼忘筌      | 57 | 独木不成林 | 62 |        |    | 奋发图强    | 71 |
| 灯火辉煌      | 57 | 独善其身  | 62 |        |    | 奋发有为    | 71 |
| 登峰造极      | 57 | 独一无二  | 62 |        |    | 风采韶秀    | 72 |
| 登堂入室      | 57 | 独占鳌头  | 62 |        |    | 风餐露宿    | 72 |
| 等量齐观      | 57 | 杜门谢客  | 62 |        |    | 风尘仆仆    | 72 |
| 等闲视之      | 58 | 度日如年  | 62 |        |    | 风驰电掣    | 72 |
| 等因奉此      | 58 | 度日维艰  | 62 |        |    | 风吹草动    | 72 |
| 低三下四      | 58 | 短兵相接  | 62 |        |    | 风吹雨打    | 72 |
| 低声下气      | 58 | 短斤缺两  | 62 |        |    | 风卷残云    | 72 |
| 滴水成冰      | 58 | 断断续续  | 63 |        |    | 风流云散    | 72 |
| 滴水穿石      | 58 | 断线风筝  | 63 |        |    | 风马牛不相及  | 72 |
| 地地道道      | 58 | 断章取义  | 63 |        |    | 风靡一时    | 73 |
| 颠倒黑白      | 58 | 堆积如山  | 63 |        |    | 风平浪静    | 73 |
| 颠倒是非      | 58 | 堆金积玉  | 63 |        |    | 风起云涌    | 73 |
| 颠沛流离      | 58 | 对答如流  | 63 |        |    | 风声鹤唳    | 73 |
| 颠扑不破      | 59 | 对牛弹琴  | 63 |        |    | 风雨同舟    | 73 |
| 颠三倒四      | 59 | 多才多艺  | 63 |        |    | 风雨无阻    | 73 |
| 点点滴滴      | 59 | 多才多艺  | 63 |        |    | 风烛残年    | 73 |
| 点头哈腰      | 59 | 多财善贾  | 63 |        |    | 丰衣足食    | 73 |
| 垫脚石       | 59 | 多愁善感  | 63 |        |    | 锋芒毕露    | 73 |
| 吊儿郎当      | 59 | 多此一举  | 63 |        |    | 逢场作戏    | 74 |
| 叠床架屋      | 59 | 多多益善  | 64 |        |    | 逢人说项    | 74 |
| 喋喋不休      | 59 | 多事之秋  | 64 |        |    | 逢凶化吉    | 74 |
| 顶礼膜拜      | 59 | 咄咄怪事  | 64 |        |    | 凤毛麟角    | 74 |
| 顶天立地      | 59 | 夺门而出  | 64 |        |    | 奉公守法    | 74 |
| 丢盔弃甲      | 59 |       |    |        |    | 佛要金装,人要 | 74 |
| 冬扇夏炉      | 60 |       |    |        |    | 衣裳      | 74 |
| 东奔西走      | 60 |       |    |        |    | 夫唱妇随    | 74 |
| 东遑西躲      | 60 |       |    |        |    | 敷衍了事    | 74 |
| 东倒西歪      | 60 |       |    |        |    | 敷衍塞责    | 74 |
| 东风吹马耳     | 60 |       |    |        |    | 扶老携幼    | 75 |
| 东拉西扯      | 60 |       |    |        |    | 扶摇直上    | 75 |
| 东鳞西爪      | 60 |       |    |        |    | 拂袖而去    | 75 |
| 东山再起      | 60 |       |    |        |    | 浮而不实    | 75 |
|           |    |       |    |        |    | 福无双至    | 75 |

## F

|           |    |         |    |
|-----------|----|---------|----|
| 发号施令      | 66 | 度寝忘食    | 70 |
| 发牢骚       | 66 | 费尽心机    | 70 |
| 发人深省      | 66 | 分崩离析    | 70 |
| 发扬光大      | 66 | 分道扬镳    | 70 |
| 翻来覆去      | 66 | 分庭抗礼    | 71 |
| 翻山越岭      | 66 | 分文不取    | 71 |
| 翻箱倒柜      | 66 | 分我杯羹    | 71 |
| 翻云覆雨      | 66 | 纷至沓来    | 71 |
| 凡事起头难     | 66 | 焚膏继晷    | 71 |
| 繁文缛节      | 66 | 粉墨登场    | 71 |
| 反唇相稽      | 67 | 粉身碎骨    | 71 |
| 反复无常      | 67 | 奋不顾身    | 71 |
| 反戈一击      | 67 | 奋发图强    | 71 |
| 反躬自问      | 67 | 奋发有为    | 71 |
| 反面无情      | 67 | 风采韶秀    | 72 |
| 返老还童      | 67 | 风餐露宿    | 72 |
| 饭后茶余      | 67 | 风尘仆仆    | 72 |
| 饭来张口      | 67 | 风驰电掣    | 72 |
| 泛泛之交      | 68 | 风吹草动    | 72 |
| 方寸不乱      | 68 | 风吹雨打    | 72 |
| 方枘圆凿      | 68 | 风卷残云    | 72 |
| 方兴未艾      | 68 | 风流云散    | 72 |
| 防患未然      | 68 | 风马牛不相及  | 72 |
| 防微杜渐      | 68 | 风靡一时    | 73 |
| 放荡不羁      | 68 | 风平浪静    | 73 |
| 放虎归山      | 68 | 风起云涌    | 73 |
| 放浪形骸      | 69 | 风声鹤唳    | 73 |
| 放任自流      | 69 | 风雨同舟    | 73 |
| 放下屠刀,立地成佛 | 69 | 风雨无阻    | 73 |
| 放之四海而皆准   | 69 | 风烛残年    | 73 |
| 飞蛾投火      | 69 | 丰衣足食    | 73 |
| 飞黄腾达      | 69 | 锋芒毕露    | 73 |
| 飞扬跋扈      | 69 | 逢场作戏    | 74 |
| 非此即彼      | 69 | 逢人说项    | 74 |
| 非驴非马      | 69 | 逢凶化吉    | 74 |
| 非同小可      | 70 | 凤毛麟角    | 74 |
| 非我所知      | 70 | 奉公守法    | 74 |
| 蜚短流长      | 70 | 佛要金装,人要 | 74 |
| 匪夷所思      | 70 | 衣裳      | 74 |
| 吠形吠声      | 70 | 夫唱妇随    | 74 |

## E

|      |    |      |    |
|------|----|------|----|
| 阿谀奉承 | 64 | 度寝忘食 | 70 |
| 恶贯满盈 | 64 | 费尽心机 | 70 |
| 恶有恶报 | 64 | 分崩离析 | 70 |
| 恶语中伤 | 65 | 分道扬镳 | 70 |
| 恶作剧  | 65 | 分庭抗礼 | 71 |
| 恩将仇报 | 65 | 分文不取 | 71 |
| 尔虞我诈 | 65 | 分我杯羹 | 71 |
| 耳边风  | 65 | 纷至沓来 | 71 |

|       |    |         |    |         |    |         |    |
|-------|----|---------|----|---------|----|---------|----|
| 福星高照  | 75 | 高枕无忧    | 80 | 骨瘦如柴    | 85 | 海底捞月    | 90 |
| 釜底抽薪  | 75 | 膏粱子弟    | 81 | 固若金汤    | 85 | 海枯石烂    | 91 |
| 釜底游鱼  | 75 | 胳膊扭不过大腿 | 81 | 固执己见    | 85 | 海阔天空    | 91 |
| 俯拾即是  | 75 | 革面洗心    | 81 | 故步自封    | 86 | 海市蜃楼    | 91 |
| 俯首帖耳  | 75 | 格格不入    | 81 | 故弄玄虚    | 86 | 海誓山盟    | 91 |
| 俯首听命  | 76 | 格杀不论    | 81 | 故态复萌    | 86 | 海外奇谈    | 91 |
| 俯仰之间  | 76 | 隔岸观火    | 81 | 顾此失彼    | 86 | 骇人听闻    | 91 |
| 付之一炬  | 76 | 隔墙有耳    | 81 | 顾盼自雄    | 86 | 害群之马    | 91 |
| 付之一笑  | 76 | 隔靴搔痒    | 81 | 顾影自怜    | 86 | 害人终害己   | 91 |
| 付诸东流  | 76 | 各奔前程    | 82 | 瓜熟蒂落    | 86 | 邯郸学步    | 91 |
| 付诸实施  | 76 | 各得其所    | 82 | 瓜田不纳履,李 | 86 | 含苞未放    | 91 |
| 负荆请罪  | 76 | 各行各业    | 82 | 下不整冠    | 86 | 含垢忍辱    | 92 |
| 负隅顽抗  | 76 | 各人自扫门前  |    | 刮目相看    | 87 | 含糊其辞    | 92 |
| 负债累累  | 76 | 雪,莫管他人  |    | 寡不敌众    | 87 | 含沙射影    | 92 |
| 赴汤蹈火  | 77 | 瓦上霜     | 82 | 挂羊头,卖狗肉 | 87 | 含辛茹苦    | 92 |
| 富丽堂皇  | 77 | 各行其是    | 82 | 拐弯抹角    | 87 | 含血喷人    | 92 |
| 腹背受敌  | 77 | 各有所长    | 82 | 关门大吉    | 87 | 寒来暑往    | 92 |
| 覆巢无完卵 | 77 | 各有所好    | 82 | 官官相护    | 87 | 汗流浹背    | 92 |
| 覆车之鉴  | 77 | 各执己见    | 82 | 官样文章    | 87 | 汗牛充栋    | 92 |
| 覆水难收  | 77 | 各自为政    | 82 | 冠冕堂皇    | 88 | 沆瀣一气    | 92 |
|       |    | 根深蒂固    | 82 | 管中窥豹,可见 |    | 毫不介意    | 93 |
|       |    | 跟踪追击    | 83 | 一斑      | 88 | 毫不利己,专门 |    |
|       |    | 耿耿于怀    | 83 | 光明磊落    | 88 | 利人      | 93 |
|       |    | 工欲善其事,必 |    | 光明正大    | 88 | 毫不犹豫    | 93 |
|       |    | 先利其器    | 83 | 光天化日    | 88 | 毫厘不爽    | 93 |
|       |    | 公事公办    | 83 | 光阴荏苒    | 88 | 毫无顾忌    | 93 |
|       |    | 公之于众    | 83 | 光阴似箭    | 88 | 毫无疑问    | 93 |
|       |    | 功亏一篑    | 83 | 归根结底    | 88 | 嚎啕大哭    | 93 |
|       |    | 攻其不备    | 83 | 归于泡影    | 89 | 好汉不吃眼前亏 | 93 |
|       |    | 供不应求    | 83 | 规行矩步    | 89 | 好好先生    | 93 |
|       |    | 供过于求    | 84 | 诡计多端    | 89 | 好景不长    | 94 |
|       |    | 恭敬不如从命  | 84 | 鬼鬼祟祟    | 89 | 好马不吃回头草 | 94 |
|       |    | 狗急跳墙    | 84 | 鬼哭狼嚎    | 89 | 好事多磨    | 94 |
|       |    | 狗拿耗子    | 84 | 鬼头鬼脑    | 89 | 好吃懒做    | 94 |
|       |    | 狗眼看人低   | 84 | 滚瓜烂熟    | 89 | 好高骛远    | 94 |
|       |    | 狗嘴里吐不出  |    | 裹足不前    | 89 | 好逸恶劳    | 94 |
|       |    | 象牙      | 84 | 过河拆桥    | 89 | 浩浩荡荡    | 94 |
|       |    | 苟且了事    | 84 | 过街老鼠,人人 |    | 合情合理    | 94 |
|       |    | 苟延残喘    | 84 | 喊打      | 90 | 河东狮吼    | 94 |
|       |    | 沽名钓誉    | 84 | 过目不忘    | 90 | 和蔼可亲    | 94 |
|       |    | 姑妄听之    | 85 | 过甚其词    | 90 | 和好如初    | 95 |
|       |    | 孤立无援    | 85 | 过屠门而大嚼  | 90 | 和盘托出    | 95 |
|       |    | 孤陋寡闻    | 85 | 过犹不及    | 90 | 和颜悦色    | 95 |
|       |    | 寡掌难鸣    | 85 | 过则不悛改   | 90 | 和衷共济    | 95 |
|       |    | 孤注一掷    | 85 |         |    | 荷花虽好,也要 |    |
|       |    | 古往今来    | 85 |         |    | 绿叶扶持    | 95 |
|       |    | 骨鲠在喉    | 85 |         |    | 荷枪实弹    | 95 |

## G

|      |    |      |    |      |    |      |    |      |    |      |    |      |    |      |    |      |    |      |    |      |    |      |    |        |    |      |    |      |    |      |    |      |    |      |    |      |    |      |    |      |    |      |    |      |    |      |    |
|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|--------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|
| 改朝换代 | 78 | 改过自新 | 78 | 改头换面 | 78 | 改弦更张 | 78 | 改弦易辙 | 78 | 改邪归正 | 78 | 盖棺论定 | 78 | 盖世无双 | 79 | 甘拜下风 | 79 | 甘居中游 | 79 | 肝胆相照 | 79 | 肝脑涂地 | 79 | 敢怒而不敢言 | 79 | 敢作敢为 | 79 | 感激涕零 | 79 | 感情用事 | 79 | 感人肺腑 | 80 | 刚愎自用 | 80 | 高傲自大 | 80 | 高不可攀 | 80 | 高高在上 | 80 | 高谈阔论 | 80 | 高屋建瓴 | 80 | 高瞻远瞩 | 80 |
|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|--------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|------|----|

## H

|         |     |         |     |         |     |         |     |
|---------|-----|---------|-----|---------|-----|---------|-----|
| 鹤发童颜    | 95  | 画蛇添足    | 101 | 饥不择食    | 105 | 价廉物美    | 110 |
| 鹤立鸡群    | 95  | 画脂镂冰    | 101 | 饥肠辘辘    | 105 | 价值连城    | 110 |
| 黑白分明    | 95  | 欢声雷动    | 101 | 饥寒起盗心   | 106 | 驾轻就熟    | 111 |
| 恨之入骨    | 96  | 欢天喜地    | 101 | 击中要害    | 106 | 嫁祸于人    | 111 |
| 恒河沙数    | 96  | 欢欣鼓舞    | 101 | 机不可失,时不 |     | 坚壁清野    | 111 |
| 横冲直撞    | 96  | 缓兵之计    | 101 | 再来      | 106 | 坚定不移    | 111 |
| 横七竖八    | 96  | 换汤不换药   | 101 | 鸡零狗碎    | 106 | 坚忍不拔    | 111 |
| 横生枝节    | 96  | 焕然一新    | 101 | 鸡毛当令箭   | 106 | 坚如磐石    | 111 |
| 横行霸道    | 96  | 患得患失    | 102 | 鸡毛蒜皮    | 106 | 坚信不疑    | 111 |
| 横行无忌    | 96  | 患难之交    | 102 | 鸡鸣狗盗    | 106 | 艰苦奋斗    | 111 |
| 轰动一时    | 96  | 荒诞不经    | 102 | 鸡犬不宁    | 106 | 监守自盗    | 111 |
| 轰轰烈烈    | 96  | 荒唐绝伦    | 102 | 鸡犬之声相闻, |     | 兼听则明,偏信 |     |
| 哄堂大笑    | 97  | 荒唐无稽    | 102 | 老死不相往   |     | 则暗      | 112 |
| 红颜薄命    | 97  | 惊慌张张    | 102 | 来       | 106 | 间不容发    | 112 |
| 后顾之忧    | 97  | 黄道吉日    | 102 | 积劳成疾    | 107 | 缄口无言    | 112 |
| 后悔莫及    | 97  | 黄粱美梦    | 102 | 积少成多    | 107 | 简而言之    | 112 |
| 后会有期    | 97  | 皇亲国戚    | 102 | 积羽沉舟    | 107 | 简慢待人    | 112 |
| 后来居上    | 97  | 惶惶不可    |     | 及锋而试    | 107 | 捡了芝麻,丢了 |     |
| 后起之秀    | 97  | 终日      | 102 | 吉星高照    | 107 | 西瓜      | 112 |
| 厚生可畏    | 97  | 惶恐不安    | 103 | 岌岌可危    | 107 | 剑拔弩张    | 112 |
| 厚此薄彼    | 97  | 恍然大悟    | 103 | 急不及待    | 107 | 见风识广    | 113 |
| 厚颜无耻    | 98  | 灰心丧气    | 103 | 急不暇择    | 107 | 见风使舵    | 113 |
| 忽冷忽热    | 98  | 挥汗成雨    | 103 | 急来抱佛脚   | 107 | 见机而作    | 113 |
| 囫圇吞枣    | 98  | 挥金如土    | 103 | 急流勇退    | 108 | 见利忘义    | 113 |
| 狐假虎威    | 98  | 回光返照    | 103 | 急起直追    | 108 | 见死不救    | 113 |
| 狐群狗党    | 98  | 回马枪     | 103 | 疾风劲草    | 108 | 见微知著    | 113 |
| 胡说八道    | 98  | 回头是岸    | 103 | 疾言厉色    | 108 | 见异思迁    | 113 |
| 胡思乱想    | 98  | 回心转意    | 103 | 集思广益    | 108 | 见义勇为    | 113 |
| 胡言乱语    | 98  | 讳莫如深    | 104 | 集腋成裘    | 108 | 渐入佳境    | 113 |
| 胡作非为    | 98  | 绘声绘色    | 104 | 几次三番    | 108 | 江河日下    | 113 |
| 葫芦里卖什么药 | 99  | 昏昏欲睡    | 104 | 己所不欲,勿施 |     | 江山易改,本性 |     |
| 虎口余生    | 99  | 浑水摸鱼    | 104 | 于人      | 108 | 难移      | 114 |
| 虎视眈眈    | 99  | 魂不附体    | 104 | 济弱扶困    | 109 | 将错就错    | 114 |
| 虎头蛇尾    | 99  | 魂飞魄散    | 104 | 计穷力竭    | 109 | 将计就计    | 114 |
| 虎头捉虎    | 99  | 混淆黑白    | 104 | 记忆犹新    | 109 | 将信将疑    | 114 |
| 怙恶不悛    | 99  | 混淆视听    | 104 | 既成事实    | 109 | 交头接耳    | 114 |
| 花花公子    | 99  | 活蹦乱跳    | 104 | 既来之,则安之 | 109 | 娇生惯养    | 114 |
| 花天酒地    | 99  | 活到老,学到老 | 104 | 既往不咎    | 109 | 骄傲自大    | 114 |
| 花言巧语    | 100 | 火冒三丈    | 105 | 寄人篱下    | 109 | 骄奢淫逸    | 114 |
| 花枝招展    | 100 | 火上加油    | 105 | 寂静无声    | 109 | 骄者必败    | 114 |
| 华而不实    | 100 | 火烧眉毛    | 105 | 家常便饭    | 109 | 胶柱鼓瑟    | 115 |
| 哗众取宠    | 100 | 火中取栗    | 105 | 家丑不可外扬  | 110 | 焦急万状    | 115 |
| 化干戈为玉帛  | 100 | 货真价实    | 105 | 家徒四壁    | 110 | 焦头烂额    | 115 |
| 化为灰烬    | 100 | 祸不单行    | 105 | 家喻户晓    | 110 | 狡兔三窟    | 115 |
| 化为乌有    | 100 |         |     | 假公济私    | 110 | 矫揉造作    | 115 |
| 化险为夷    | 100 |         |     | 假冒为善    | 110 | 矫枉过正    | 115 |
| 画饼充饥    | 101 |         |     | 假仁假义    | 110 | 脚踏两只船   | 115 |

|            |     |            |     |                  |     |        |     |
|------------|-----|------------|-----|------------------|-----|--------|-----|
| 脚踏实地       | 115 | 喉若寒蝉       | 121 | 举目无亲             | 126 | 空口说白话  | 131 |
| 绞尽脑汁       | 116 | 经年累月       | 121 | 举棋不定             | 126 | 空头支票   | 131 |
| 接二连三       | 116 | 荆棘载途       | 121 | 举觞为寿             | 126 | 空言无补   | 131 |
| 接踵而来       | 116 | 惊弓之鸟       | 121 | 举世闻名             | 126 | 空中楼阁   | 131 |
| 揭幕而起       | 116 | 惊惶失措       | 121 | 举世无双             | 126 | 口不应心   | 131 |
| 街谈巷议       | 116 | 惊恐万状       | 121 | 举世瞩目             | 127 | 口惠而实不至 | 131 |
| 节外生枝       | 116 | 惊涛骇浪       | 121 | 举一反三             | 127 | 口蜜腹剑   | 131 |
| 节衣缩食       | 116 | 惊天动地       | 122 | 举趾见踵             | 127 | 口若悬河   | 132 |
| 洁身自好       | 116 | 惊心动魄       | 122 | 举足轻重             | 127 | 口是心非   | 132 |
| 桀骜不驯       | 116 | 兢兢业业       | 122 | 拒人于千里之外          | 127 | 口说无凭   | 132 |
| 捷足先登       | 117 | 精兵简政       | 122 | 聚精会神             | 127 | 口头禅    | 132 |
| 竭尽全力       | 117 | 精打细算       | 122 | 聚沙成塔             | 127 | 口头之交   | 132 |
| 竭泽而渔       | 117 | 精雕细刻       | 122 | 聚土成堆             | 127 | 扣人心弦   | 132 |
| 截然不同       | 117 | 精疲力竭       | 122 | 卷土重来             | 127 | 枯木逢春   | 132 |
| 解甲归田       | 117 | 精神抖擞       | 122 | 决一雌雄             | 128 | 枯杨生稊   | 132 |
| 解铃系铃       | 117 | 精卫填海       | 123 | 决战决胜             | 128 | 苦尽甘来   | 132 |
| 借刀杀人       | 117 | 精益求精       | 123 | 绝处逢生             | 128 | 苦口婆心   | 132 |
| 借花献佛       | 117 | 井底之蛙       | 123 | 绝代佳人             | 128 | 苦中作乐   | 133 |
| 借酒消愁       | 118 | 井井有条       | 123 | 绝无仅有             | 128 | 夸大其词   | 133 |
| 今日事今日毕     | 118 | 井水不犯河水     | 123 | 君子协定             | 128 | 夸夸其谈   | 133 |
| 今是昨非       | 118 | 敬而远之       | 123 | 君子之交淡如水, 小人之交甜如蜜 | 128 | 快刀斩乱麻  | 133 |
| 斤斤计较       | 118 | 镜花水月       | 123 |                  |     | 快马加鞭   | 133 |
| 金碧辉煌       | 118 | 迥然不同       | 123 |                  |     | 脍炙人口   | 133 |
| 金蝉脱壳       | 118 | 纠缠不休       | 124 |                  |     | 宽宏大量   | 133 |
| 金科玉律       | 118 | 鸠居鹊巢       | 124 | K                |     | 狂风暴雨   | 133 |
| 金玉良言       | 118 | 九牛二虎之力     | 124 | 开诚布公             | 129 | 旷日持久   | 133 |
| 金玉其外, 败絮其中 | 118 | 九牛一毛       | 124 | 开诚相见             | 129 | 溃不成军   | 134 |
| 津津有味       | 119 | 九死一生       | 124 | 开卷有益             | 129 | 困兽犹斗   | 134 |
| 筋疲力尽       | 119 | 久病成良医      | 124 | 开门见山             | 129 |        |     |
| 谨小慎微       | 119 | 久而久之       | 124 | 开门揖盗             | 129 | L      |     |
| 谨言慎行       | 119 | 久在河边走, 没   | 124 | 开天辟地             | 129 | 痢痢头儿子自 | 134 |
| 锦囊妙计       | 119 | 有不失足       | 124 | 侃侃而谈             | 129 | 己的好    | 134 |
| 锦上添花       | 119 | 酒囊饭袋       | 125 | 看菜吃饭, 量体         | 129 | 来而不往非礼 | 134 |
| 锦衣玉食       | 119 | 酒肉朋友       | 125 | 裁衣               | 129 | 也      | 134 |
| 尽力而为       | 119 | 酒醉饭饱       | 125 | 康庄大道             | 130 | 来龙去脉   | 134 |
| 尽人皆知       | 119 | 旧调重弹       | 125 | 慷慨激昂             | 130 | 来势汹汹   | 134 |
| 尽善尽美       | 120 | 旧梦重温       | 125 | 慷慨解囊             | 130 | 来往不绝   | 134 |
| 尽心竭力       | 120 | 旧瓶装新酒      | 125 | 慷慨他人之慨           | 130 | 来者不拒   | 135 |
| 尽在不言中      | 120 | 咎由自取       | 125 | 靠山吃山, 靠水         | 130 | 癞蛤蟆想吃天 | 135 |
| 近水楼台先得月    | 120 | 咎有应得       | 125 | 吃水               | 130 | 鹅肉     | 135 |
| 近在咫尺       | 120 | 就地正法       | 125 | 苛政猛于虎            | 130 | 拦路抢劫   | 135 |
| 近朱者赤, 近墨者黑 | 120 | 就事论事       | 125 | 克勤克俭             | 130 | 烂醉如泥   | 135 |
| 进退维谷       | 120 | 居安思危       | 125 | 刻不容缓             | 130 | 滥竽充数   | 135 |
|            |     | 居高临下       | 126 | 客来扫地             | 130 | 狼狼不堪   | 135 |
|            |     | 鞠躬尽瘁, 死而后已 | 126 | 空洞无物             | 131 | 狼狼不奸   | 135 |
|            |     | 周促不安       | 126 | 空空如也             | 131 | 狼奔豕突   | 135 |

|         |     |         |     |         |     |         |     |
|---------|-----|---------|-----|---------|-----|---------|-----|
| 狼吞虎咽    | 136 | 利令智昏    | 141 | 不蠢      | 146 | 盲人瞎马    | 151 |
| 狼心狗肺    | 136 | 利欲熏心    | 141 | 六神无主    | 146 | 茫然若失    | 151 |
| 狼子野心    | 136 | 连绵不断    | 141 | 六月债,还得快 | 146 | 茫无所知    | 151 |
| 浪子回头    | 136 | 连篇累牍    | 141 | 露马脚     | 146 | 茫无头绪    | 151 |
| 劳而无功    | 136 | 良药苦口 利于 |     | 炉火纯青    | 146 | 猫哭老鼠    | 152 |
| 劳逸结合    | 136 | 病       | 141 | 绿林好汉    | 147 | 猫鼠同眠    | 152 |
| 牢不可破    | 136 | 梁上君子    | 142 | 碌碌无能    | 147 | 毛骨悚然    | 152 |
| 老当益壮    | 136 | 两败俱伤    | 142 | 屢次三番    | 147 | 毛手毛脚    | 152 |
| 老骥伏枥,志在 |     | 两耳不闻 窗外 |     | 屢见不鲜    | 147 | 茅塞顿开    | 152 |
| 千里      | 136 | 事,一心只读  |     | 履险如夷    | 147 | 冒名顶替    | 152 |
| 老奸巨滑    | 137 | 圣贤书     | 142 | 乱七八槽    | 147 | 冒天下之大不  |     |
| 老马识途    | 137 | 两面三刀    | 142 | 略胜一筹    | 147 | 厖       | 152 |
| 老迈年高    | 137 | 两全其美    | 142 | 略知一二    | 147 | 貌合神离    | 152 |
| 老牛破车    | 137 | 两小无猜    | 142 | 论功行赏    | 147 | 眉飞色舞    | 153 |
| 老牛舐犊    | 137 | 两袖清风    | 142 | 给养不绝    | 148 | 眉开眼笑    | 153 |
| 老生常谈    | 137 | 量力而行    | 142 | 落笔成章    | 148 | 眉来眼去    | 153 |
| 老态龙钟    | 137 | 量入为出    | 142 | 落草为寇    | 148 | 眉毛胡子 一把 |     |
| 乐不可支    | 137 | 聊胜于无    | 143 | 落井下石    | 148 | 抓       | 153 |
| 乐极生悲    | 138 | 聊以自慰    | 143 |         |     | 眉头一皱,计上 |     |
| 乐善好施    | 138 | 聊以卒岁    | 143 |         |     | 心来      | 153 |
| 乐天知命    | 138 | 寥寥无几    | 143 |         |     | 每况愈下    | 153 |
| 雷声大,雨点小 | 138 | 寥寥晨星    | 143 | 麻痹大意    | 148 | 美不胜收    | 153 |
| 雷霆万钧    | 138 | 了如指掌    | 143 | 麻木不仁    | 148 | 美中不足    | 153 |
| 泪如泉涌    | 138 | 烈火见真金   | 143 | 马不停蹄    | 148 | 媚上欺下    | 154 |
| 冷嘲热讽    | 138 | 临渴掘井    | 143 | 马革裹尸    | 148 | 门当户对    | 154 |
| 冷酷无情    | 138 | 临深履薄    | 144 | 马后炮     | 149 | 门户之见    | 154 |
| 冷若冰霜    | 139 | 临危不惧    | 144 | 马马虎虎    | 149 | 门可罗雀    | 154 |
| 冷言冷语    | 139 | 临阵磨枪    | 144 | 马首是瞻    | 149 | 扪心自问    | 154 |
| 离经叛道    | 139 | 临阵脱逃    | 144 | 蚂蚁啃骨头   | 149 | 闷葫芦     | 154 |
| 离群索居    | 139 | 淋漓尽致    | 144 | 埋伏以待    | 149 | 闷闷不乐    | 154 |
| 礼尚往来    | 139 | 琳琅满目    | 144 | 埋头苦干    | 149 | 蒙混过关    | 154 |
| 李代桃僵    | 139 | 鳞次栉比    | 144 | 卖国求荣    | 149 | 蒙在鼓里    | 155 |
| 里应外合    | 139 | 伶牙利齿    | 144 | 卖剑买犊    | 149 | 梦幻泡影    | 155 |
| 理屈词穷    | 139 | 令人发指    | 144 | 满不在乎    | 150 | 梦寐以求    | 155 |
| 理所当然    | 140 | 令人作呕    | 145 | 满城风雨    | 150 | 弥天大谎    | 155 |
| 理直气壮    | 140 | 另起炉灶    | 145 | 满腹经纶    | 150 | 弥天大罪    | 155 |
| 力不从心    | 140 | 另请高明    | 145 | 满谷满坑    | 150 | 迷途知返    | 155 |
| 力不胜任    | 140 | 另眼相看    | 145 | 满面春风    | 150 | 秘而不宣    | 155 |
| 力所能及    | 140 | 另作别论    | 145 | 满腔热忱    | 150 | 绵里藏针    | 155 |
| 力争上游    | 140 | 溜之大吉    | 145 | 满载而归    | 150 | 绵延不绝    | 155 |
| 历尽艰辛    | 140 | 留得青山在,不 |     | 满招损,谦受益 | 150 | 勉为其难    | 155 |
| 历历可数    | 140 | 怕没柴烧    | 145 | 漫不经心    | 150 | 勉自慰藉    | 156 |
| 历历在目    | 140 | 留有余地    | 145 | 漫山遍野    | 150 | 面不改色    | 156 |
| 厉兵秣马    | 141 | 流芳百世    | 145 | 慢条斯理    | 151 | 面和心不和   | 156 |
| 立竿见影    | 141 | 流离失所    | 146 | 忙里偷闲    | 151 | 面红耳赤    | 156 |
| 立身处世    | 141 | 流连忘返    | 146 | 忙忙碌碌    | 151 | 面黄肌瘦    | 156 |
| 立锥之地    | 141 | 流水不腐,户枢 |     | 芒刺在背    | 151 | 面面俱到    | 156 |

|                  |     |             |     |             |     |         |     |
|------------------|-----|-------------|-----|-------------|-----|---------|-----|
| 面面相觑             | 156 | 莫名其妙        | 161 | 念念不忘        | 167 | 披坚执锐    | 172 |
| 面目一新             | 156 | 莫逆之交        | 161 | 鸟尽弓藏        | 167 | 披荆斩棘    | 172 |
| 面无人色             | 156 | 漠不关心        | 162 | 鸟语花香        | 167 | 披麻带孝    | 172 |
| 妙不可言             | 156 | 漠然置之        | 162 | 宁死不屈        | 167 | 披头散发    | 172 |
| 妙手回春             | 156 | 墨迹未干        | 162 | 宁死不辱        | 167 | 披星戴月    | 172 |
| 妙手空空             | 157 | 墨守成规        | 162 | 宁为鸡口，无为     |     | 皮开肉绽    | 173 |
| 名不副实             | 157 | 默默无闻        | 162 | 牛后          | 167 | 皮肉不笑    | 173 |
| 名不虚传             | 157 | 默默无言        | 162 | 宁为玉碎，不为     |     | 皮之不存，毛将 |     |
| 名垂青史             | 157 | 木已成舟        | 162 | 瓦全          | 168 | 焉附      | 173 |
| 名副其实             | 157 | 目不见睫        | 162 | 牛刀小试        | 168 | 蚍蜉撼树    | 173 |
| 名列前茅             | 157 | 目不交睫        | 163 | 牛鬼蛇神        | 168 | 疲于奔命    | 173 |
| 名落孙山             | 157 | 目不窥园        | 163 | 牛头不对马嘴      | 168 | 琵琶别抱    | 173 |
| 名震一时             | 158 | 目不识丁        | 163 | 弄巧成拙        | 168 | 否极泰来    | 173 |
| 明察秋毫之末，<br>而不见舆薪 | 158 | 目不暇接        | 163 | 弄虚作假        | 168 | 胼手胝足    | 173 |
| 明达事理             | 158 | 目不转睛        | 163 | 奴颜婢膝        | 168 | 片甲不存    | 173 |
| 明火执仗             | 158 | 目瞪口呆        | 163 | 怒不可遏        | 168 | 片言折狱    | 174 |
| 明明白白             | 158 | 目光炯炯        | 163 | 怒火冲冠        | 169 | 片语只字    | 174 |
| 明目张胆             | 158 | 目光如豆        | 163 | 怒火中烧        | 169 | 飘飘欲仙    | 174 |
| 明枪易躲，暗箭<br>难防    | 158 | 目空一切        | 164 | 怒目相向        | 169 | 贫病交迫    | 174 |
| 明人不必细说           | 158 | 目无法纪        | 164 | 怒气冲冲        | 169 | 贫不聊生    | 174 |
| 明日黄花             | 158 | 目中无人        | 164 | 怒气冲天        | 169 | 牝鸡司晨    | 174 |
| 明升暗降             | 159 | 沐猴而冠        | 164 | 怒形于色        | 169 | 平安无事    | 174 |
| 明哲保身             | 159 |             |     |             |     | 平步青云    | 174 |
| 明知故犯             | 159 | N           | O   |             |     | 平淡无奇    | 174 |
| 明知山有虎，偏<br>向虎山行  | 159 | 拿手好戏        | 164 | 呕心沥血        | 170 | 平地风波    | 175 |
| 明珠暗投             | 159 | 耐人寻味        | 164 | 藕断丝连        | 170 | 平地一声雷   | 175 |
| 明珠弹雀             | 159 | 南柯一梦        | 165 |             |     | 平分秋色    | 175 |
| 鸣锣开道             | 159 | 南辕北辙        | 165 | P           |     | 平起平坐    | 175 |
| 铭记不忘             | 159 | 难能可贵        | 165 | 徘徊歧途        | 170 | 平心静气    | 175 |
| 铭刻于心             | 159 | 难兄难弟        | 165 | 排除万难        | 170 | 平易近人    | 175 |
| 铭诸肺腑             | 160 | 难言之隐        | 165 | 排忧解难        | 170 | 评头品足    | 175 |
| 冥思苦索             | 160 | 难以形容        | 165 | 盘根错节        | 170 | 萍水相逢    | 175 |
| 酩酊大醉             | 160 | 囊空如洗        | 165 | 判若云泥        | 171 | 萍踪靡定    | 176 |
| 命途多舛             | 160 | 内外交困        | 165 | 旁敲侧击        | 171 | 泼冷水     | 176 |
| 命在旦夕             | 160 | 能屈能伸        | 166 | 旁若无人        | 171 | 迫不得已    | 176 |
| 命中要害             | 160 | 能人背后有能<br>人 | 166 | 抛头露面        | 171 | 迫不及待    | 176 |
| 模棱两可             | 160 | 能说会道        | 166 | 抛砖引玉        | 171 | 迫在眉睫    | 176 |
| 摩顶放踵             | 161 | 能言善辩        | 166 | 袍笏登场        | 171 | 破釜沉舟    | 176 |
| 摩肩接踵             | 161 | 能者多劳        | 166 | 赔了夫人又折<br>兵 | 171 | 破镜重圆    | 176 |
| 摩厉以须             | 161 | 泥牛入海        | 166 |             |     | 破口大骂    | 176 |
| 摩拳擦掌             | 161 | 泥塑木雕        | 166 | 朋比为奸        | 171 | 剖腹藏珠    | 177 |
| 磨杵成针             | 161 | 你死我活        | 166 | 鹏程万里        | 171 | 扑朔迷离    | 177 |
| 磨穿铁砚             | 161 | 逆来顺受        | 166 | 捧腹大笑        | 172 |         |     |
| 没齿不忘             | 161 | 逆水行舟        | 167 | 批其逆鳞        | 172 | Q       |     |
|                  | 161 | 年深日久        | 167 | 披肝沥胆        | 172 | 七颠八倒    | 177 |

|         |     |         |     |         |     |         |     |
|---------|-----|---------|-----|---------|-----|---------|-----|
| 七零八落    | 177 | 千秋万代    | 182 | 轻描淡写    | 187 | 燃眉之急    | 192 |
| 七拼八凑    | 177 | 千辛万苦    | 183 | 轻裘肥马    | 187 | 惹火烧身    | 192 |
| 七擒七纵    | 177 | 千载难逢    | 183 | 轻重缓急    | 187 | 惹人注目    | 192 |
| 七上八下    | 177 | 千真万确    | 183 | 倾城倾国    | 187 | 惹是生非    | 193 |
| 七手八脚    | 178 | 牵强附会    | 183 | 倾家荡产    | 188 | 热火朝天    | 193 |
| 七嘴八舌    | 178 | 前功尽弃    | 183 | 倾盆大雨    | 188 | 热泪盈眶    | 193 |
| 欺软怕硬    | 178 | 前倨后恭    | 183 | 倾箱倒篋    | 188 | 热气腾腾    | 193 |
| 欺世盗名    | 178 | 前门拒虎,后门 |     | 倾心吐胆    | 188 | 人不可貌相   | 193 |
| 齐心协力    | 178 | 进狼      | 183 | 情不自禁    | 188 | 人地相宜    | 193 |
| 其貌不扬    | 178 | 前怕狼,后怕虎 | 183 | 情人眼里出西  |     | 人多嘴杂    | 193 |
| 奇耻大辱    | 178 | 前人栽树,后人 |     | 施       | 188 | 人浮于事    | 193 |
| 奇货可居    | 178 | 乘凉      | 184 | 情投意合    | 188 | 人面兽心    | 193 |
| 奇谈怪论    | 178 | 前事不忘,后事 |     | 晴天霹雳    | 188 | 人情世故    | 194 |
| 奇形怪状    | 178 | 之师      | 184 | 请君入瓮    | 189 | 人去楼空    | 194 |
| 奇装异服    | 179 | 前思后想    | 184 | 罄竹难书    | 189 | 人山人海    | 194 |
| 骑虎难下    | 179 | 前所未闻    | 184 | 穷兵黩武    | 189 | 人声鼎沸    | 194 |
| 骑马找马    | 179 | 前所未有    | 184 | 穷而后工    | 189 | 人孰无过    | 194 |
| 棋逢对手    | 179 | 前言不对后语  | 184 | 穷奢极欲    | 189 | 人微言轻    | 194 |
| 棋高一着    | 179 | 钱能通神    | 184 | 穷途末路    | 189 | 人为刀俎,我为 |     |
| 旗鼓相当    | 179 | 黔驴技穷    | 184 | 穷乡僻壤    | 189 | 鱼肉      | 194 |
| 旗开得胜    | 179 | 枪林弹雨    | 184 | 穷凶极恶    | 189 | 人无千日好,花 |     |
| 旗帜鲜明    | 179 | 强弩之末    | 184 | 秋高气爽    | 190 | 无百日红    | 194 |
| 杞人忧天    | 180 | 强中自有强中  |     | 求全责备    | 190 | 人云亦云    | 194 |
| 起死回生    | 180 | 手       | 185 | 求人不如求己  | 190 | 人之常情    | 195 |
| 岂有此理    | 180 | 墙倒众人推   | 185 | 求之不得    | 190 | 人自为战    | 195 |
| 气势汹汹    | 180 | 强词夺理    | 185 | 曲突徙薪    | 190 | 仁者见仁,智者 |     |
| 气息奄奄    | 180 | 敲骨吸髓    | 185 | 曲意逢迎    | 190 | 见智      | 195 |
| 弃暗投明    | 180 | 敲锣打鼓    | 185 | 驱至绝境    | 190 | 忍饥挨饿    | 195 |
| 弃甲曳兵    | 180 | 敲诈勒索    | 185 | 屈打成招    | 190 | 忍俊不禁    | 195 |
| 弃邪归正    | 181 | 巧妇难为无米  |     | 屈膝投降    | 190 | 忍气吞声    | 195 |
| 弃之如敝屣   | 181 | 之炊      | 185 | 屈指可数    | 190 | 忍辱负重    | 195 |
| 弃置不顾    | 181 | 巧取豪夺    | 185 | 趋炎附势    | 191 | 忍无可忍    | 195 |
| 恰到好处    | 181 | 巧舌如簧    | 186 | 曲高和寡    | 191 | 任劳任怨    | 195 |
| 恰如其分    | 181 | 巧言令色    | 186 | 取而代之    | 191 | 任其自流    | 195 |
| 千锤百炼    | 181 | 切肤之痛    | 186 | 权宜之计    | 191 | 任人唯亲    | 196 |
| 千刀万剐    | 181 | 窃窃私语    | 186 | 全军覆没    | 191 | 仍蹈故辙    | 196 |
| 千方百计    | 181 | 锲而不舍    | 186 | 全力以赴    | 191 | 日薄西山    | 196 |
| 千夫所指    | 181 | 亲密无间    | 186 | 全神贯注    | 191 | 日积月累    | 196 |
| 千金一掷    | 182 | 亲兄弟,明算帐 | 186 | 全心全意    | 191 | 日暮途穷    | 196 |
| 千钧一发    | 182 | 擒贼先擒王   | 186 | 拳不离手,曲不 |     | 日思夜想    | 196 |
| 千里送鹅毛   | 182 | 青出于蓝,而胜 |     | 离口      | 192 | 日以继夜    | 196 |
| 千里眼     | 182 | 于蓝      | 186 | 拳打脚踢    | 192 | 容光焕发    | 196 |
| 千里之堤,溃于 |     | 青黄不接    | 187 | 群策群力    | 192 | 融会贯通    | 196 |
| 蚁穴      | 182 | 青梅竹马    | 187 | 群龙无首    | 192 | 如出一辙    | 197 |
| 千里之行,始于 |     | 轻车熟路    | 187 | 群起而攻之   | 192 | 如堕五里雾中  | 197 |
| 足下      | 182 | 轻而易举    | 187 |         |     | 如法炮制    | 197 |
| 千篇一律    | 182 | 轻举妄动    | 187 |         |     | 如火如荼    | 197 |

|               |     |             |     |             |     |             |     |
|---------------|-----|-------------|-----|-------------|-----|-------------|-----|
| 如获至宝          | 197 | 三心二意        | 202 | 深更半夜        | 207 | 世世代代        | 212 |
| 如胶似漆          | 197 | 三言两语        | 202 | 深居简出        | 207 | 世态炎凉        | 212 |
| 如临大敌          | 197 | 丧家之犬        | 202 | 深谋远虑        | 207 | 世外桃源        | 212 |
| 如履薄冰          | 197 | 丧心病狂        | 202 | 深思熟虑        | 207 | 世无匹敌        | 212 |
| 如梦初醒          | 198 | 色厉内荏        | 203 | 深恶痛绝        | 207 | 势不两立        | 212 |
| 如入无人之境        | 198 | 杀鸡取卵        | 203 | 深信不疑        | 208 | 势均力敌        | 213 |
| 如丧考妣          | 198 | 杀鸡用牛刀       | 203 | 神采奕奕        | 208 | 势如破竹        | 213 |
| 如释重负          | 198 | 杀气腾腾        | 203 | 神魂颠倒        | 208 | 视而不见        | 213 |
| 如意算盘          | 198 | 杀人不眨眼       | 203 | 神气活现        | 208 | 视若无睹        | 213 |
| 如影随形          | 198 | 杀身成仁        | 203 | 神圣不可侵犯      | 208 | 视死如归        | 213 |
| 如鱼得水          | 198 | 杀一儆百        | 203 | 生搬硬套        | 208 | 视同路人        | 213 |
| 如愿以偿          | 198 | 煞费苦心        | 203 | 生不逢辰        | 208 | 事败垂成        | 213 |
| 如坐针毡          | 199 | 煞有介事        | 204 | 生花妙笔        | 208 | 事半功倍        | 214 |
| 乳臭未干          | 199 | 山重水复疑无路     | 204 | 生龙活虎        | 208 | 事倍功半        | 214 |
| 入不敷出          | 199 | 柳暗花明又一村     | 204 | 生气勃勃        | 209 | 事不关己，高高挂起   | 214 |
| 入国问禁          | 199 | 山穷水尽        | 204 | 生死存亡        | 209 | 事不宜迟        | 214 |
| 阮囊羞涩          | 199 | 山雨欲来风满楼     | 204 | 声东击西        | 209 | 事出有因        | 214 |
| 软硬兼施          | 199 | 山珍海味        | 204 | 声名狼藉        | 209 | 事过境迁        | 214 |
| 锐不可当          | 200 | 删繁就简        | 204 | 声名洋溢        | 209 | 事过境迁        | 214 |
| 瑞雪兆丰年         | 200 | 姗姗来迟        | 204 | 声色俱厉        | 209 | 事后诸葛亮       | 214 |
| 若即若离          | 200 | 煽风点火        | 204 | 声势汹汹        | 209 | 事实胜于雄辩      | 214 |
| 若无其事          | 200 | 善始善终        | 205 | 声嘶力竭        | 209 | 事与愿违        | 215 |
| 若要人不知，除非己莫为   | 200 | 善有善报，恶有恶报   | 205 | 省吃俭用        | 209 | 拭目以待        | 215 |
| 弱不禁风          | 200 | 恶报          | 205 | 胜败乃兵家常事     | 210 | 适得其反        | 215 |
| 弱肉强食          | 200 | 善自为谋        | 205 | 盛气凌人        | 210 | 适逢其会        | 215 |
|               |     | 赏心悦目        | 205 | 尸位素餐        | 210 | 适可而止        | 215 |
| S             |     | 上梁不正下梁歪     | 205 | 失败为成功之母     | 210 | 室如悬磬        | 215 |
| 塞翁失马，安知非福     | 201 | 上行下效        | 205 | 失魂落魄        | 210 | 收回成命        | 215 |
| 三寸不烂之舌        | 201 | 少见多怪        | 205 | 失之东隅，收之桑榆   | 210 | 手忙脚乱        | 215 |
| 三个臭皮匠，合成一个诸葛亮 | 201 | 少说为佳        | 205 | 失之交臂        | 210 | 手舞足蹈        | 215 |
| 三缄其口          | 201 | 少不更事        | 206 | 十全九稳        | 210 | 手足无措        | 216 |
| 三脚猫           | 201 | 少年老成        | 206 | 十全十美        | 211 | 守口如瓶        | 216 |
| 三教九流          | 201 | 少壮不努力，老大徒伤悲 | 206 | 十赌不如一现      | 211 | 守株待兔        | 216 |
| 三句不离本行        | 201 | 舍本逐末        | 206 | 石沉大海        | 211 | 首当其冲        | 216 |
| 三十六计，走为上计     | 202 | 设身处地        | 206 | 时不我待        | 211 | 首屈一指        | 216 |
| 三思而行          | 202 | 身败名裂        | 206 | 识时务者为俊杰     | 211 | 首鼠两端        | 216 |
| 三天打鱼，两天晒网     | 202 | 身不由己        | 206 | 识途老马        | 211 | 寿比南山        | 217 |
| 三头六臂          | 202 | 身教胜于言教      | 206 | 实事求是        | 211 | 寿终正寝        | 217 |
| 三位一体          | 202 | 身强力壮        | 207 | 食前方丈        | 211 | 受宠若惊        | 217 |
| 空五成群          | 202 | 身体力行        | 207 | 拾人牙慧        | 212 | 殊途同归        | 217 |
|               |     | 身在屋檐下，怎敢不低头 | 207 | 史无前例        | 212 | 疏不间亲        | 217 |
|               |     | 深不可测        | 207 | 世上无难事，只怕有心人 | 212 | 熟能生巧        | 217 |
|               |     |             |     |             |     | 熟视无睹        | 217 |
|               |     |             |     |             |     | 鼠目寸光        | 217 |
|               |     |             |     |             |     | 蜀犬吠日        | 217 |
|               |     |             |     |             |     | 蜀中无大将，廖化作先锋 | 218 |

|         |     |      |     |         |     |      |     |
|---------|-----|------|-----|---------|-----|------|-----|
| 束手待毙    | 218 | 素昧平生 | 223 | 天下乌鸦一般  | 229 | 头角峥嵘 | 234 |
| 束手无策    | 218 | 随波逐流 | 223 | 黑       | 229 | 头破血流 | 234 |
| 束之高阁    | 218 | 随风转舵 | 223 | 天下无不散之  | 229 | 头头是道 | 234 |
| 树大招风    | 218 | 随机应变 | 223 | 筵席      | 229 | 头晕目眩 | 234 |
| 树倒猢猻散   | 218 | 随声附和 | 224 | 天涯海角    | 229 | 投机取巧 | 235 |
| 水到渠成    | 218 | 随心所欲 | 224 | 天有不测风云, | 224 | 投其所好 | 235 |
| 水火不相容   | 219 | 随遇而安 | 224 | 人有旦夕祸   | 224 | 投鼠忌器 | 235 |
| 水落石出    | 219 | 损人利己 | 224 | 福       | 229 | 突飞猛进 | 235 |
| 水乳交融    | 219 | 所向披靡 | 224 | 天灾人祸    | 229 | 突如其来 | 235 |
| 水深火热    | 219 |      |     | 天真烂漫    | 229 | 图谋不轨 | 235 |
| 水泄不通    | 219 |      |     | 天之骄子    | 230 | 图谋不遂 | 235 |
| 顺手牵羊    | 219 |      |     | 天字第一号   | 230 | 图穷匕见 | 235 |
| 顺水推舟    | 219 |      |     | 恬不知耻    | 230 | 涂脂抹粉 | 236 |
| 说长道短    | 220 |      |     | 甜言蜜语    | 230 | 徒具皮毛 | 236 |
| 说到曹操,曹操 |     |      |     | 挑肥拣瘦    | 230 | 徒劳无益 | 236 |
| 就到      | 220 |      |     | 条分缕析    | 230 | 土崩瓦解 | 236 |
| 说时迟,那时快 | 220 |      |     | 挑拨离间    | 230 | 兔死狗烹 | 236 |
| 硕大无朋    | 220 |      |     | 铁杵成针    | 230 | 兔死狐悲 | 236 |
| 司空见惯    | 220 |      |     | 铁石心肠    | 230 | 推波助澜 | 236 |
| 司马昭之心,路 |     |      |     | 铁树开花    | 231 | 推陈出新 | 236 |
| 人皆知     | 220 |      |     | 听而不闻    | 231 | 推己及人 | 236 |
| 死不悔改    | 220 |      |     | 听其自然    | 231 | 推心置腹 | 237 |
| 死不瞑目    | 220 |      |     | 听天由命    | 231 | 推一知十 | 237 |
| 死灰复燃    | 221 |      |     | 挺身而出    | 231 | 退避三舍 | 237 |
| 死里逃生    | 221 |      |     | 铤而走险    | 231 | 吞吞吐吐 | 237 |
| 死马当活马医  | 221 |      |     | 通情达理    | 231 | 吞云吐雾 | 237 |
| 死气沉沉    | 221 |      |     | 通宵达旦    | 232 | 囤积居奇 | 237 |
| 死去活来    | 221 |      |     | 同病相怜    | 232 | 拖泥带水 | 237 |
| 死无葬身之地  | 221 |      |     | 同仇敌忾    | 232 | 拖人落水 | 237 |
| 死心塌地    | 221 |      |     | 同床异梦    | 232 | 脱口而出 | 237 |
| 死要面子活受  |     |      |     | 同甘共苦    | 232 | 脱胎换骨 | 238 |
| 罪       | 221 |      |     | 同归于尽    | 232 | 脱颖而出 | 238 |
| 死于非命    | 221 |      |     | 同行嫉妒    | 232 | 唾面自干 | 238 |
| 四分五裂    | 222 |      |     | 同流合污    | 233 | 唾手可得 | 238 |
| 四海为家    | 222 |      |     | 同气相求    | 233 |      |     |
| 四海之内皆兄  |     |      |     | 同室操戈    | 233 |      |     |
| 弟       | 222 |      |     | 同心同德    | 233 |      |     |
| 四面八方    | 222 |      |     | 同心协力    | 233 |      |     |
| 四面楚歌    | 222 |      |     | 同舟共济    | 233 |      |     |
| 四平八稳    | 222 |      |     | 痛改前非    | 233 |      |     |
| 似是而非    | 222 |      |     | 痛哭流涕    | 233 |      |     |
| 肆无忌惮    | 222 |      |     | 痛心疾首    | 234 |      |     |
| 耸人听闻    | 223 |      |     | 偷工减料    | 234 |      |     |
| 搜索枯肠    | 223 |      |     | 偷鸡不着蚀把  |     |      |     |
| 俗不可耐    | 223 |      |     | 米       | 234 |      |     |
| 诉诸武力    | 223 |      |     | 偷偷摸摸    | 234 |      |     |
| 肃然起敬    | 223 |      |     | 头昏脑胀    | 234 |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         |     |      |     |         |     |      |     |
|         | </  |      |     |         |     |      |     |